**WRITTEN ANSWER TO QUESTIONS**
**Cuts in Funds for P.S. Us.**

*122. SHRI SUKOMAL SEN : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Govemment have decided to enforce further cuts in the funds for public sector undertakings; and

(b) If so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI) : (a) and (b) : Fund allocation to public sector enterprises is done on merits of the cases depending upon economic viability of projects and availability of resorces The total plan and non-plan investments in central Public'iEnterprises during. 1993-94 (RE) was Rs. 29011.04 crores and in 1994-95 (BE) is Rs. 33622.11 crores.

**लम्बित केन्द्रीय प्रशासनिक मामले**

*124 **श्री राम सिंह राठवा** : क्या प्रधान मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 जनवरी, 1994 की स्थिति के अनुसार कितने केन्द्रीय प्रशासनिक मामले लम्बित हैं ;

(ख) सरकार इनके शीघ्र निपटान हेतु क्या प्रयास कर रही है ; और

(ग) क्या यह सच है कि ऐसे मामलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है ?

**कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मार्गेट आल्वा)** :

(क) 31 जनवरी, 1994 को केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण में 39,994 मामले लम्बित थे।

(ख) केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के उपाध्यक्षों तथा सदस्यों के चयन के लिए पहले ही कदम उठाए गए है ताकि इन पदों के खाली होने के तत्काल बाद वे पदों का कार्यभार संभाल सके । इसके परिणामस्वरूप 1992 और 1993 के दौरान मामलों को निपटाने में पर्याप्त वृद्धि हुई है । केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण में लम्बित मामलों को सरकार आवधिक विवरणियों के द्वारा मोनिटर करती है ।

(ग) असल में केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण की विभिन्न न्यायपीठों में लम्बित मामलों की संख्या निरन्तर घट रही है । वर्ष 1992 के अन्त में लंबित मामलों की संख्या 41035 थी, जो घट कर 1993 के अन्त में 40028 रह गई और जनवरी, 1994 के अंत में यह और घटकर 39994 रह गई । यह स्थिति इस तथ्य के बावजूद है कि नये मामलों का दर्ज होना बढ़ा है। 1992 में 25,184 नये मामले दर्ज किये गये जबकि 1991 में 21,623 नये मामले दर्ज किये गये थे । 1993 में 27,057 नये मामले दर्ज किये गये । 1994 में केवल जनवरी माह के दौरान 2318 मामले दर्ज किए गये हैं ।

**बिहार में प्रस्तावित विकास केन्द्रों की समीक्षा**

*128. **श्री ब्रह्मदेव आनन्द पासवान** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार-सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत चार स्थानों अर्थात् भागलपुर, हजारीबाग, दरभंगा और मुजफ्फरपुर के संबंध में परियोजना-प्रतिवेदन प्रस्तुत किये है ;

(ख) क्या बिहार सरकार ने इस प्रयोजनार्थ 352 लाख रुपये की राशि जारी की है;

(ग) क्या उद्योग मंत्रालय ने भी उक्त विकास केन्द्रों की अगस्त, 1993 में समीक्षा की है ;

(घ) क्या केन्द्रीय सरकार इसे कार्यान्वित करने का विचार रखती है ; और

(ङ) यदि हां, तो निधियां कब तक जारी कर दी जायेंगी और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

**उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही)** : (क) जी, हां।

(ख) राज्य सरकार के अनुसार, उन्होंने विकास केन्द्रों के लिए 434.44 लाख रुपये की राशि जारी की है।

(ग) राज्य सरकार से इन तीन परियोजनाओं के संगत अनुमानों तथ सम्भावित बिक्री क्षमता के संबंध में अतिरिक्त सूचना भेजने के लिए कहा गया है।

(घ) जी, हां।

(ङ) निधियां किस्तों में जारी की जाती है जो कार्यान्वयन की प्रगति पर निर्भर करती है।

**नये अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तनों का निर्माण**

***129. श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जी सी०एस० रामनाथन की अध्यक्षता में गठित समिति ने नये अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तनों का निर्माण करने की सिफारिश की थी ;

(ख) यदि हां, तो तो उक्त समिति ने इस प्रयोजनार्थ देश के कौन-कौन से घरेलू विमानपत्तनों का चयन किया था ;

(ग) इस पर सरकार ने क्या निर्णय लिया है ; और

(घ) इन विमानपत्तनों के निर्माण में अब तक कितनी प्रगति हुई है ?

**नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद)** : (क) से (घ) बंगलौर के निकट एक नये अंतरराष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे के निर्माण की व्यवहार्यता की जांच के लिए श्री एस० रामनाथन की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी। समिति ने एक नये हवाई अड्डे के निर्माण के लिए देवनहल्ली के दक्षिण में एक जगह की सिफारिश की है। इस पर निर्णय तभी लिया जा सकता है जब इसका विस्तृत सर्वेक्षण हो जाय तथा अनुमानित लागत तय हो जाय।

**Expansion and modernisation of Guwahati Airport**

*130. SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleised to state .

(a) whether the capacity utilization of Guwahati Airport is extremely low in comparison to other airports in the country;

(b) the steps taken to increase the capacity utilizaton of the airport;

(c) the steps taken for the expansion and modernisation of Guwahati Airport; and

(d) the details of additional flights likely to be introduced from the Guwahati Airport during 1994 and 1995 ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRl GHULAM N ABI AZAD) AZAD) : (a) and (b) : No, Sir. Presently here are 35 commercial flights per week operating through Guwahati airport. There are many airports in the country where the number of flights handled is much less.

(c) Guwahati Airport is being developed as one of the Model airports. The following works are in progress :—

(i) The Terminal Building is being expanded and modified at an estimated cost of Rs. 12.45 crores;

(ii) Apron is-being extended at an estimated cost of Rs. 180 lakhs; (iii) Airport Surveillance Radar and Mono-pulse Secondary Surveillance Radar are being installed at a cost of Rs. 28.15 crores;

(iv) Ground Lighting facilities are being improved at a cost of Rs. 55 lakhs.

(d) While Indian Airlines has, at present, no plan to introduce more services to/from Guwa hati during the years 1994 and 1995, private operators are expected to extend their operattion to the North-Eastern region for which Guwahati is an important hub.